M.A. Examination 2017
Semester-II
Hindi
Course : VI
(कथासाहित्य)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 2×8=16

(क) मानुष जन्म बार-बार नहीं मिलता है। मानुस जन्म पाकर परमारथ के बदले सोआरथ देखें तो इससे बढ़कर क्या पाप हो सकता है? परमारथ में जो 'विघिन' डालते हैं वे मानुस नहीं।

(ख) प्रगति की जरा-सी आहट पाते ही हम काँप उठते हैं; और अफसरों के पास फरियाद लेकर दौड़ते हैं कि हमारी रक्षा कीजिए। हमें अपने ऊपर विश्वास नहीं रहा, न पुरुषार्थ ही रह गया। बस हमारी दशा उन बच्चों की-सी है, जिन्हें चम्मच से दूध पिलाकर पाला जाता है, बाहर से मोटे, अन्दर से दुर्बल, सत्यहीन और मोहताज।

(ग) साहित्य का निर्माण, मानो जीवित मृत्यु का आह्वान है। साहित्यकार को निर्माण करके और लाभ भी तो क्या, रचयिता होने का सुख भी नहीं मिलता, क्योंकि काम पूरा होते ही वह देखता है, अरे, यह तो वह नहीं है, जो मैं बनाना चाहता था, वह मानो क्रियाशीलता का नारद है, उसे कहीं रुकना नहीं है–उसे सर्वत्र भड़काना है, उभारना है, जलाना है और कभी शान्त नहीं होना है–कहीं रुकना नहीं है।

(घ) मैं इस ढूह की एक नगण्य कणिका मात्र हूँ। मुझे इस योग्य बना दो कि आप अपनी अग्नि से धधककर समूचे जंजाल को भस्म कर दूं। मैं तुम्हारा करावलंब चाहती हूँ। नारी का जन्म पाकर केवल लांछना पाना ही सार नहीं है। तुमने ही मुझे आनंद की ज्यतिष्कणिका दी थी। तुम्हीं मुझे तेज की चिन्गारी दो, आर्य।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए – 2×12=24

(क) 'गोदान' के आधार पर प्रेमचन्द की धार्मिक, तथा राजनैतिक विचारधारा का परिचय दीजिए।

(ख) आँचलिक उपन्यास किसे कहते हैं? आँचलिक उपन्यास के रूप में 'मैला आँचल' की आलोचना कीजिए।

(ग) 'वाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास के आधार पर वाणभट्ट की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(घ) कहानी कला की दृष्टि से 'जहाँ लक्ष्मी कैद है' अथवा 'परिन्दे' कहानी की समीक्षा कीजिए।

(ङ) उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास की विवेचना कीजिए।